हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 11 मई 2026

10 हड़ताली कर्मचारी बोले, सरकार मांगें माने तो 48...

9 रतिया में बाबा साहेब की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़...

खबर संक्षेप

बाइक सवार युवक हेरोइन सहित दबोचा

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार की किए गए युवक की पहचान हरविंदर सिंह के रूप में हुई है । उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम गश्त व चेकिंग के दौरान वार्ड नंबर 5 ऐलनाबाद क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान सामने से एक बाइक सवार युवक आता हुआ दिखाई दिया। बाइक सवार युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक बाइक को वापस मोडक़र भगाने का प्रयास किया तो पुलिस ने शक के आधार पर युवक काबू कर तलाशी ली तो उसके के कब्जे से 7 ग्राम 6 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई।

क्रिकेट सट्टा लगाता युवक काबू

सिरसा। पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शहर के नोहरिया बाजार स्थित एक मकान में क्रिकेट सट्टा लगाया जा रहा है। पुलिस ने सूचना के आधार पर दबिश देकर एक युवक को मौके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार मोबाइल फोन बरामद हुए। पकड़े गए आरोपी की पहचान जयमुंद्रा के रूप में हुई है।

1 किलो गांजे के साथ नशा तस्कर काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम के तहत फतेहाबाद की एंटी नारकोटिक सेल ने एक नशा तस्कर को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 58 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसे वह शहर में सप्लाई करने की फिराक में था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिकन्दर, निवासी शिव नगर हाल स्वामी नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल, भर्ती

सिरसा। शहर के बाल भवन चौक के निकट कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। घायल को राहगीरों की मदद से उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस को दिए बयान में जन कल्याण कालोनी निवासी परमिंदर सिंह ने बताया कि वह डिलीवरी का काम करता है। सात मई को वह अपनी बाइक पर भूमण शाह चौक से बस अड्डा की ओर जा रहा था।

बाइक पर गिरा पेड़, दो युवक घायल

सिरसा। जिले के गांव अभोली में सडक़ किनारे खड़ा एक पेड़ अचानक मोटरसाइकिल सवार दो युवकों पर गिर गया। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद सिरसा-रानियां मार्ग कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों युवक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सडक़ किनारे खड़ा पेड़ भरभराकर उनकी बाइक पर गिर पड़ा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

शिकायतकर्ता पर करवाया जानलेवा हमला

रतिया। रतिया के एक शेलर संचालक के घपले की शिकायत करना शिकायतकर्ता को उस समय महंगा पड़ गया जब आज 4 अज्ञात लोगों ने शिकायतकर्ता को घर के पास घेरकर उस पर जानलेवा हमला कर दिया और उसकी पिटाई कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को आस पड़ोस के लोगों और परिजनों ने नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया है वहीं मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

सीजन ढलते ही गेहूं खरीद की रफ्तार धीमी, अप्रैल के मुकाबले अब मंडियों में घट रही आवक, 15 मई खरीद की अंतिम तिथि

90 फीसदी हो चुकी लिफ्टिंग, किसानों को 1673 करोड़ 19 लाख का किया गया भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले की अनाज मंडियों में गेहूं खरीद सीजन अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। अप्रैल के शुरुआती दिनों में जहां मंडियों में गेहूं की भारी आवक और तेज खरीद देखने को मिल रही थी, वहीं अब सीजन ढलने के साथ आवक और खरीद दोनों में कमी दर्ज की जा रही है। मंडियों में पहले की तुलना में ट्रॉलियों की संख्या कम हो गई है और सरकारी एजेंसियों की दैनिक खरीद भी सीमित रह गई है। अब तक सरकारी एजेंसियों ने 7 लाख 48 हजार 189 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। अब तक जिले में 72146 किसान अपनी फसल मंडियों में ला चुके हैं। पिछले दिन केवल 1977 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई, जो अप्रैल के शुरुआती दिनों की तुलना में काफी कम मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार अधिकांश किसानों की फसल मंडियों में पहुंच चुकी है, जिसके चलते अब आवक लगातार घट रही है। बता दे कि प्रदेश सरकार की खरीद एजेंसिया 15 मई तक ही गेहूं खरीद करेंगी। 15 मई के दिन गेहूं की अंतिम सरकारी खरीद होगी।

मंडियों में पहले की तुलना में ट्रॉलियों की संख्या कम, सरकारी एजेंसियों की खरीद भी सीमित हुई

उठान में तेजी, 90 फीसदी से ज्यादा गेहूं उठा

सरकारी एजेंसियों द्वारा अब तक 6 लाख 72 हजार 321 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है, जबकि करीब 75 हजार 868 मीट्रिक टन गेहूं मंडियों में उठान के लिए शेष है। कुल उठान प्रतिशत 89 फीसदी दर्ज किया गया है। किसानों को अब तक 1673 करोड़ 19 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इस बार गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। आंकड़ों के अनुसार इस बार गेहूं खरीद पिछले कुछ वर्षों की तुलना में कमजोर रही है। वर्ष 2020-21 में जिले में 7 लाख 12 हजार 551 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी, जबकि 2024-25 में यह आंकड़ा 7 लाख 1 हजार 641 मीट्रिक टन रहा। इसके मुकाबले 2025-26 में अब तक कुल 6 लाख 61 हजार 485 मीट्रिक टन खरीद दर्ज की गई है। इससे साफ है कि इस बार आवक और खरीद दोनों में गिरावट देखने को मिली है। मंडी अधिकारियों का कहना है कि अब सीजन समाप्ति की ओर है और बची हुई फसल का जल्द उठान करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

फतेहाबाद। डीएफएससी के पलिंथ पर गेहूं की बोरियां अनलोड करते मजदूर।

गेहूं खरीद के आंकड़े

एजेंसीवार खरीद की स्थिति

फूड सप्लाई विभाग	1,75,617 मीट्रिक टन
हैफेड	3,21,709 मीट्रिक टन
एचडब्ल्यूसी	2,33,514 मीट्रिक टन
एफसीआई	17,349 मीट्रिक टन
कुल	748189 मीट्रिक टन

पिछले छह वर्षों में गेहूं खरीद

2020	7,12,551 मीट्रिक टन
2021	6,96,461 मीट्रिक टन
2022	4,29,641 मीट्रिक टन
2023	6,14,656 मीट्रिक टन
2024	7,01,641 मीट्रिक टन
2025	6,61,485 मीट्रिक टन
2026	7,48,189 मीट्रिक टन (अब तक)

भूना में जलभराव से राहत की तैयारी, एक करोड़ से तालाब खुदाई शुरू

भाजपा नेताओं में दिखी खींचतान, एक ही तालाब खुदाई का दो बार शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

पहले पूर्व विधायक ने तो बाद में बीजेपी जिलाध्यक्ष ने किया शुभारंभ

शहर में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाने की दिशा में रविवार को नगर पालिका की ओर से तालाब खुदाई और पानी निकासी कार्य शुरू कराया गया। रिहायशी क्षेत्र के बीच बने तालाब की सफाई और खुदाई कार्य का शुभारंभ पूर्व विधायक दुड़ाराम और नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा ने नारियल तोडक़र किया। करीब एक करोड़ रुपए की लागत से होने वाले इस कार्य की अध्यक्षता नगर पालिका वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी ने की। हालांकि उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक रंग भी देखने को मिला। पहले दूड़ा राम और पंकज पसरीजा ने कार्य शुरू कराया, लेकिन कुछ देर बाद पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा समारोह स्थल पर पहुंचे और उद्घाटन पट्ट पर दोबारा कपड़ा डालकर तालाब खुदाई का दोबारा रिबन काटकर व नारियल तोडक़र शुभारंभ कर दिया। एक ही तालाब का कुछ ही अंतराल के बाद दोबारा उद्घाटन को लेकर शहर में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। लोग इसे भाजपा नेताओं के बीच गुटबाजी और राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन से जोडक़र देख रहे हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन कैलाश बंसल, मांगेराम गोदारा, अनिल भूटानी, सुरेश कंबोज, बलजीत सोनी, संतोष देवी, रोहतास गोयल, सुशील सोनी, बजरंग शर्मा, राजकुमार भुक्कल, राजेंद्र खिलेरी, सीताराम, कंवल चौधरी, राजू कंबोज, संदीप ताखर, प्रमोद धारनिया, अमन बाबा समेत कई लोग मौजूद रहे।

भूना। तालाब खुदाई और पानी निकासी कार्य शुभारंभ करते पूर्व विधायक दुड़ा राम।

भूना। तालाब खुदाई–पानी निकासी कार्य शुभारंभ करते जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा।

2022 और 2025 की बारिश बनी थी

पूर्व विधायक दूड़ा राम ने कहा कि वर्ष 2022 और 2025 में भारी बारिश के दौरान शहर में गंभीर जलभराव की स्थिति बनी थी। दुकानों और घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। वर्ष 2022 में प्रभावित लोगों को सरकार की ओर से करीब 15 करोड़ रुपए का मुआवजा भी दिया गया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए सरकार स्थायी समाधान पर काम कर रही है।

31 करोड़ के प्रोजेक्ट पर चल रहा काम

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने बताया कि बरसाती पानी निकासी प्रबंधन के लिए 31 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट मंजूर किया गया है। इसके तहत रिहायशी क्षेत्र के तालाब से रंगोली नाले तक करीब 15 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। साथ ही एक करोड़ के लगभग की लागत से तालाब की खुदाई और सफाई कार्य भी शुरू कर दिया गया है, ताकि बारिश के दिनों में पानी जमा न हो।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 23.93 लाख की ठगी

- फतेहाबाद साइबर सेल ने फरीदाबाद से आरोपी को किया गिरफ्तार
- गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतीश पुत्र प्रेम बिहारी निवासी पार्वती कॉलोनी, सेक्टर-23, फरीदाबाद के रूप में हुई
- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की राशि में से 10 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद की साइबर सेल पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतीश पुत्र प्रेम बिहारी निवासी पार्वती कॉलोनी, सेक्टर-23, फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की राशि में से 10 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है।

साइबर सेल थाना प्रभारी राहुल देव ने बताया कि टोहाना निवासी नीरज बंसल ने साइबर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, अक्टूबर 2025 में उनके पास एक अनजान व्हाट्सएप कॉल आई थी, जिसमें कॉलर ने ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया था। आरोपी के झांसे में आकर पीड़ित ने अपने रिश्तेदारों के अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी के माध्यम से कई किस्तों में कुल 23 लाख 93 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब मुनाफा मिलना तो दूर, मूल राशि भी वापस नहीं मिली, तब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। साइबर सेल की टीम ने तकनीकी विश्लेषण और बैंक खातों के लेन-देन की कड़ियों को जोड़ते हुए आरोपी सतीश तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस अब इस मामले के मास्टरमाइंड और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है, जिनके खातों में ठगी की बड़ी राशि ट्रांसफर की गई थी।

धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार युवक।

सत्संग भक्ति का आधार : संत सुखदेवानंद

- फतेहाबाद में परमहंस योग दरबार सत्संग हुआ, संत सुखदेवानंद का मनाया जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर की जाट धर्मशाला के पास स्थित होटल में परमहंस योग दरबार के वार्षिक सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा चीफ गेस्ट थे, मगर उनकी जगह उनके भाई राजन मिड्ढा पहुंचे। मिड्ढा के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा भी मौजूद रहे। परमहंस योग दरबार ब्रह्मज्ञान मंदिर के तत्वावधान में श्रीयोग अनुभव सेवा समिति की ओर से यह सत्संग आयोजित किया गया। सत्संग में ट्रस्ट संचालक संत सुखदेवानंद महाराज का जन्मदिन भी मनाया गया। सत्संग समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक प्रवचनों के साथ भजन-कीर्तन भी हुआ। संत सुखदेवानंद महाराज ने कहा कि बिना भावों के कुछ नहीं होता है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हम सत्संग में बैठते हैं। प्रभु के चरणों में बैठे हैं।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में उपस्थित परमहंस योग दरबार के प्रमुख संत।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रिया रही अव्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

राजकीय महाविद्यालय भट्टूकलां में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य सुभाष ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं की जानकारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सहायक होती हैं।

भट्टूकलां। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

नकद पुरस्कार

प्रतियोगिता के दौरान इतिहास, राजनीति विज्ञान, भारतीय संविधान, विज्ञान, खेल, संस्कृति और करंट अफेयर्स से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ जवाब दिए। प्रतियोगिता में आसपास के गांवों से भी विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रिया ने प्रथम स्थान हासिल किया। उन्हें ट्रॉफी के साथ 3100 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। जतिन दूसरे स्थान पर रहे, जिन्हें ट्रॉफी और 2100 रुपए का पुरस्कार मिला। शिक्षा ने तीसरा स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी व 1100 रुपए का पुरस्कार हासिल किया।

युवक तीन चोरी की बाइकों सहित किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक युवक को चतरगढ़ पट्टी सिरसा क्षेत्र से चोरीशुदा बाइक सहित गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि रोशनलाल निवासी गांधी कॉलोनी सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रोड़ी बाजार स्थित कपड़े की दुकान के सामने बाइक खड़ी कर दुकान में काम करने चला गया था। रात करीब 8 बजे वापस आकर देखा तो बाइक कोई अज्ञात युवक चोरी करके ले गया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर शहर थाना सिरसा में बाइक चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अर्श सिंह निवासी नजदीक अनाज मंडी मल्लेकां को सिरसा क्षेत्र से चोरीशुदा बाइक सहित काबू कर लिया।

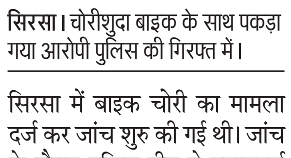

सिरसा। चोरीशुदा बाइक के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

विकास स्विमिंग पूल में बराला ने खुद की तैराकी

सांसद सुभाष बराला ने बलियाला हेड पर आठ करोड़ से बने केनाल रिसॉर्ट का किया शुभारंभ

- अत्याधुनिक स्विमिंग पूल, कैफेटेरिया और लग्जरी सुविधाओं से सुसज्जित रिसॉर्ट क्षेत्र में पर्यटन को देगा नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को टोहाना में बलियाला हेड पर करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'केनाल रिसॉर्ट' का शुभारंभ किया। रिसॉर्ट में आधुनिक स्विमिंग पूल, कैफेटेरिया, गार्डन रेस्टोरेंट तथा लग्जरी रूम सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित की गई हैं, जो क्षेत्र में पर्यटन और मनोरंजन को नई पहचान देंगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने बच्चों के साथ स्विमिंग कर स्विमिंग पूल का उद्घाटन किया और कहा कि यह परियोजना न केवल लोगों को बेहतर मनोरंजन एवं ठहरने की सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी, बल्कि टोहाना को पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि उनका प्रयास था कि टोहाना में ऐसा सुंदर पिकनिक स्पॉट विकसित हो, जहां परिवारों, युवाओं एवं बच्चों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर वातावरण मिल सके, और हम सब के प्रयासों से यह सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि महान विजनरी एवं प्रसिद्ध इंजीनियर कंवर सैन गुप्ता ने टोहाना को नहरों के रूप में एक अद्भुत प्राकृतिक उपहार दिया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि इस प्राकृतिक धरोहर का सदुपयोग करते हुए टोहाना को पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। सांसद ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नव-निर्मित स्विमिंग पूल भी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के तैराक तैयार करेगा।

फतेहाबाद। बलियाला हेड पर स्वीमिंग पूल का शुभारंभ करते सांसद सुभाष बराला।

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है।

लोक संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी जनमानस की रगों में जो संस्कृति और दर्शन प्रवाहित होता है उसका सबसे मुखर और प्रमाणिक दस्तावेज हैं हरियाणवी रागनी। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं बल्कि यह उस सामाजिक ताने-बाने, नैतिकता, लोक-व्यवहार और जीवन-दर्शन का निचोड़ हैं जिसे सदियों से हरियाणा के ग्रामीण आंचल ने जिया है।

जब हम हरियाणवी रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य का अध्ययन करते हैं तो पाते हैं कि हरियाणवी लोक-कवियों और सांगी कलाकारों ने समाज के हर सूक्ष्म पहलू को अपनी लेखनी से छुआ है। चाहे वह मित्रता की मर्यादा हो, गरीबी का दंश हो, भक्ति का मार्ग हो या पारिवारिक रिश्तों की कड़वाहट और मिठास। लोकाचार का अर्थ है, वह व्यवहार जो समाज में प्रचलित हो और जिसे नैतिकता की कसौटी पर परखा गया हो। हरियाणा की माटी के इन लोक-कवियों ने अपनी रागनियों के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन रचनाकारों ने ग्रामीण परिवेश की शब्दावली में उन गूढ़ रहस्यों को प्रकट किया है, जिन्हें समझने के लिए बड़े-बड़े ग्रंथों की आवश्यकता पड़ती है। लोकाचार में सत्य की महिमा सर्वोपरि है, लेकिन सत्य का मार्ग कितना कठिन है और मानवीय स्वभाव में अविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका सजीव चित्रण बाजे भगत की लेखनी में मिलता है।

साची बात कहण म्हं सखी होया करै तकरार
दगाबाज बेरहम बहन ना मरदां का इतवार
धन माया के बारे म्हं किसे बिरले तै दिल डाट्या जा सै
जो तनै दे दिया राज दान म्हं, मेरे तै के नाट्या जा सै

यहां कवि ने न केवल सामाजिक तकरार की बात की है, बल्कि बिरले व्यक्तियों के माध्यम से उस ऊंचे चरित्र की ओर संकेत किया है जो मोह-माया से मुक्त है। सामाजिक मूल्यों में वचन और दान की महत्ता को बाजे भगत सर्वोपरि मानते हैं।

समाज में आर्थिक स्थिति और मानवीय संबंधों के अंतर्संबंधों पर जब हम विचार करते हैं, तो पं. मांगे राम का दर्शन एक कठोर सत्य बनकर उभरता है। हरियाणा के लोक साहित्य में दरिद्रता को केवल भौतिक अभाव नहीं माना गया, बल्कि इसे समस्त दुखों की जननी और रिश्तों के बिखराव का कारण बताया गया है। मांगे राम के शब्दों में लोकाचार का यह पक्ष अत्यंत मर्मस्पर्शी है :

टोट्टे आळे माणस का पिया नहीं किसे संग प्यार रहै
मां का जाया दुश्मन बणज्या हरदम खाए खार रहै
बोल में बोल मिलै ना किसे का न्यू घर म्हं तकरार रहै
काम म्हं बरकत कती नहीं जब धुर तै पाटी सार रहै

लोककवि मांगे राम यहां गरीबी के उस मनोविज्ञान को पकड़ रहे हैं, जहां अभाव में मनुष्य का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और सगे भाई-बंधु भी दूरी बना लेते हैं। यह लोकाचार का वह यथार्थवादी पक्ष है जो समाज को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा देता है। वे सामाजिक मूल्य के रूप में आत्मसम्मान को जीवन से भी ऊंचा स्थान देते हैं।

धर्म और पाखंड के बीच की महीन रेखा को समझना भी लोकाचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुंशी राम जांडली उन ढोंगी लोगों पर प्रहार करते हैं जो केवल शब्दों का जाल बुनकर समाज को गुमराह करते हैं। उनकी दृष्टि में दिखावटी ग्रंथ रचना की अपेक्षा लोक-कल्याण ही वास्तविक धर्म है :

घरां बैठ के ग्रंथ बणा ले झूठ चलावण लागे
जीभ चटोरे ऊत लुटेरे जाल फैलावण लागे

इस कटाक्ष के समानांतर जब हम मेहर सिंह की रचना को देखते हैं, तो हमें धर्म का वास्तविक और सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है। मेहर सिंह के अनुसार धर्म कोई बंधन नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को मिटाता है :

नजर फला कै देख लिए नित पेड़ धर्म का फलता है
सत का तेल घलै दीपक मैं तो ज्ञान उजाला जलता है
धर्म के फंदे मैं फंस कै मन नहीं हिलाया हिलता है
अच्छी शोभत वाले को पिया अच्छा ही फल मिलता है

मेहर सिंह यहां संदेश देना चाहते हैं कि सत यानी सत्य का आचरण ही वह तेल है जिससे ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलित रह सकता है।

मानवीय स्वभाव की कोमलता और अटूट विश्वास की बात करते हुए रामकिशन व्यास ने जो उदाहरण दिए हैं, वे लोक-बुद्धि की पराकाष्ठा हैं। वे समझाते हैं कि कुछ चीजें जीवन में इतनी नाजुक होती हैं कि एक बार की लापरवाही उन्हें सदैव के लिए नष्ट कर सकती है :

मन मौती और दुध बताया इनका एक सुभा से
पाटे पिछे फेर मिले ना यो कुदरत का न्या सै

यह उपमा लोकाचार की उस मर्यादा को स्थापित करती है, जहां व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए। मन का फटना समाज में अविश्वास की खाई पैदा करता है जिसे फिर कभी भरा नहीं जा सकता। यहां विश्वास को सबसे बड़े सामाजिक मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

पंडित लखमीचंद, जिन्हें हरियाणा का सूर्य कवि कहा जाता है, उन्होंने मित्रता की आड़ में छिपे पाखंड और स्वार्थ को अत्यंत स्पष्टता के साथ चित्रित किया है। उनकी दृष्टि में मित्रता एक तपस्या है, लेकिन कलयुगी समाज में इसे केवल स्वार्थ सिद्धि का साधन बना लिया गया है :

नई-नई यारी लागै प्यारी दोष पाछले ढक ले
मतलब खात्यर यार बणें फेर थोड़े दिन में छिक ले
नहीं जाणते फर्ज यार का पाप पंक में पक ले
कैं तैं खाज्यां धन यार का ना बाहण बहू नै तक ले
करें बहाना यारी का इसे यार बणे हांडै सैं

लखमीचंद की यह चेतावनी समाज के नैतिक पतन की ओर इशारा करती है। वे उन मर्यादाओं की याद दिलाते हैं, जहां मित्र के परिवार को अपना परिवार समझा जाता था। यहां शुद्ध आचरण और निःस्वार्थ प्रेम जैसे सामाजिक मूल्यों पर बल दिया गया है।

> *विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है।*

सामाजिक विडंबनाओं और न्याय के अंतर्विरोधों पर हरिकेश पटवारी का चिंतन अत्यंत गहरा है। वे देखते हैं कि समाज अक्सर उन लोगों के प्रति निष्ठुर हो जाता है जो सीधे और सरल होते हैं :

शुद्ध स्वतंत्र संतोषी, महाकष्ट विपत भरते देखे
डूबे सुने तैराक बली, कायर के हाथ मरते देखे
चालबाज बदमाश मलंग से, बड़े-बड़े डरते देखे
शील संत और साधारण का, सब मखौल करते देखे

पटवारी जी इस रचना के माध्यम से उस कड़वी हकीकत को बयां करते हैं, जहां सज्जनता को कमजोरी का पर्याय मान लिया जाता है। लोकाचार का यह पक्ष हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम वास्तव में गुणों का सम्मान करने वाला समाज बना पाए हैं?

पारिवारिक नैतिकता और माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की जब बात आती है, तो ज्ञानी राम शास्त्री की रागनी एक कालजयी उपदेश बन जाती है। वे उस पाखंड को जड़ से मिटाने की बात करते हैं जो जीवित अवस्था में तिरस्कार और मृत्यु के पश्चात सम्मान का प्रदर्शन करता है:

मात पिता के मरे बाद आंसू टपकाकै के होगा
जिन्दें जी जूते मारे फेर फूल चढ़ाकै के होगा
कहणा मन्या नहीं कदे फेर तिलक लगणा ठीक नहीं
छुए कोन्या पैर कदे फेर शीश झुकाणा ठीक नहीं

यह रचना हरियाणा के उन मूल संस्कारों का प्रतिनिधित्व करती है, जहां पितृभक्ति को ही सबसे बड़ा तीर्थ माना गया है। लोकाचार का यह अनिवार्य हिस्सा है कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, न कि कर्मकांडों के पीछे भागे। यह सामाजिक मूल्यों की आधारशिला है।

अंत में, विद्या और ज्ञान के अर्जन के लिए आवश्यक अनुशासन और विनम्रता पर निहाल चंद निहाल का दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्पष्ट करते हैं कि ज्ञान कोई स्थिर वस्तु नहीं है, बल्कि यह निरंतर अभ्यास की मांग करता है :

मुख पै करूं सराहना इसकी, विद्या का नहीं ध्यान धरै।
ऐसी बुद्धि हो ज्यागी जैसे, बिन मांजी तलवार जरै।
बिना घमण्ड अभ्यास करे तै, विद्या का भण्डार भरै।
ऋषि मुनि कहते आवैं, अभिमान ज्ञान का नाश करै।

निहाल चंद निहाल की यह पंक्तियां समझाती हैं कि बुद्धि और विद्या को निरंतर मांजना पड़ता है, अन्यथा वे जंग लगी तलवार की तरह निष्प्रभावी हो जाती हैं। यहां विनम्रता और निरंतरता को बौद्धिक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया गया है। विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है। भिन्न-भिन्न कालखंड में बाजे भगत से लेकर निहाल चंद निहाल जैसे सभी लोक-कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को एक नैतिक दिशा देने का प्रयास किया है।

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है। जब तक ये स्वर गूंजते रहेंगे, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा होती रहेगी। यह आलेख इन महान लोक-कवियों की उस दूरदर्शिता को समर्पित है जिन्होंने लोक-भाषा में जीवन के गूढ़ रहस्यों को पिरोकर हमें सौंप दिया है ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें और एक न्यायप्रिय व सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकें।

रागिनी **शकुन्तला काजल 'शकुन'**

दिल मैं वतन समाज्यागा

भारत की सेवा की जिस दिन, जन-जन कसम उठाज्यागा,
दुनिया के म्हाँ देश हमारा..सब तैं आगै आज्यागा..।

देशद्रोही और आतंकी, घणी कर चुके हैं नौटंकी!
मारे जां ये सारे सनकी दुश्मन भी भय खाज्यागा।
दुनिया के म्हाँ.........।

जात-पात न भाषा देखो, न धर्म के नाम तमाशा देखो !
देशप्रेम रस पी कै देखो-दिल म्हँ वतन समाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.............।

हीरे-मोती से अपणे टाबर, छोरा-छोरी एक बराबर!
देवां संस्कार पावाँगे आदर मजा रै जीणै का आज्यागा...
दुनिया के म्हाँ........।

योग कर्म जग करणे लगज्या, हर घर की तस्वीर संवरज्या !
जग म्हँ विश्व गुरु का दर्जा-हट कै भारत पाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.........।

नवाचार की अलख जगावाँ, नवभारत निर्माण करावाँ!
जन-गन-मन सब मिल कै गावाँ-राष्ट्र ध्वज इतराज्यागा..!
दुनिया के म्हाँ देश हमारा सब तैं आगै आज्यागा. ..!!!

रागिनी **त्रिलोक चंद फतेहपुरी**

नुगरे नाग

देश मैं पळ रहे नुगरे नाग।
मार रहे फुंकाड़ वो जालिम उगल रहे हैं आग।

कुछ काळै कुछ चितकबरें से
पिवण सॉंप की ज्यूँ बिफरे से
कुंडली मार के बैठे हैं कई
इधर-उधर को बिखरे से
निर्दोषों कै डंक मार कै, फोड़ रहे हैं भाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई लांबे, कई मोटे -मोटे
नोंच -नोंच कै खावै बोटें
चादर ओढ़े भळ मणसी की
मन के उजले कर्म हैं खोटे
उनकी चालबाजियों से ही, उजड़े कई सुहाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई पिलपिले मगर हठीले
लांबी पूँछ अर दॉंत नुकीले
मार - मार फण कर दें बेदम
वे बेरहम बड़े जहरीले
जहर उगल कर बुझा रहे हैं, जलते हुए चिराग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कुछ फणधारी कुछ मणीधारी
धन बल, छल बल के भंडारी
बदल - बदल कर अपणी केंचुली
लूट रहे हैं दौलत म्हारी
कर ले बंद पिटारी में उन्हें, ओ त्रिलोकी जाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहनावा **कला और सौंदर्य के गहरे पारखी थे हमारे पूर्वज, प्रदेश की अमूल्य विरासत के संरक्षण की शिद्दत से दरकार**

आभूषणों में सिमटी गौरवशाली हरियाणवी विरासत

श्रृंगार **सरिता**

हरियाणा की पावन धरा अपनी वीरता और कृषि प्रधान संस्कृति के साथ-साथ अपने अद्वितीय पहनावे और आभूषणों के लिए भी सारी दुनिया में एक विशेष पहचान रखती है।

यहां की माटी का सोंधापन यहां की महिलाओं के आभूषणों में भी झलकता है। हरियाणवी आभूषण केवल स्वर्ण या रजत के निर्जीव टुकड़े न होकर हरियाणवी लोक-जीवन, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की कलात्मक सोच का जीवंत साक्ष्य हैं। यदि हम हरियाणवी देहात के पुराने संदूकों की धूल झाड़कर उन्हें खोलें, तो उनमें से ऐसी शिल्पकारी निकलती है जो आज के दौर के आधुनिकतम ज्वेलरी डिजाइनों को भी मात देने की क्षमता रखती है। यह आभूषण यहां की नारी के स्वाभिमान, उसके सुहाग की लंबी आयु और परिवार की संपन्नता के मौन उद्घोषक रहे हैं। हरियाणवी महिला के श्रृंगार की यात्रा मस्तक से आरंभ होकर पैरों की उंगलियों तक एक शास्त्रीय क्रम में चलती है। मस्तक का सबसे गौरवशाली आभूषण बोरला रहा है। लट्टू के आकार का यह गहना सुहाग का प्रतीक होने के साथ-साथ चेहरे को एक विशिष्ट सौम्यता प्रदान करता है। प्राचीन समय में इसके साथ कोड़ी और जूड़ा जैसे आभूषणों का प्रयोग बालों को सहेजने के लिए किया जाता था। माथे पर सुशोभित शीशफूल और विशेष रूप से प्राचीन काल में प्रचलित मुख का छाज चेहरे की आभा को इस प्रकार ढकते और उभारते थे कि देखने वाले को राजसी वैभव का बोध होता था। माथे पर सिंदूरी बिंदी और आंखों में दीये की लौ से पाड़ी गई स्याही यानी काजल

की गहरी धार, ग्रामीण सौंदर्य को एक नया आयाम देती थी। कानों में पहने जाने वाले डाण्डे, बुजनी, और करणफूल न केवल कान की शोभा बढ़ाते थे, बल्कि सोने के बुन्दे और झुमकों की झंकार खेतों में काम करते समय भी एक लयबद्ध मधुरता घोलती थी। नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ और छोटी लौंग या कोका सुहागिन स्त्री के मुख मंडल पर चमक बिखेरते थे। गले के आभूषणों की बात करें तो यहां की विविधता चकित कर देने वाली है। पुराने समय में हंसली का बहुत महत्व था, जो चांदी का एक ठोस और भारी गोलाकार आभूषण होता था। इसके अतिरिक्त झालरा, जो चांदी के सिक्कों की एक लंबी लड़ी होती थी, ग्रामीण महिलाओं का सबसे प्रिय आभूषण रहा है। यह झालरा छाती पर लहराते हुए एक विशेष प्रकार का संगीत पैदा करता था। हरियाणवी लोकगीतों और रागिनियों में वर्णित गलश्री, जुगनी और कण्ठी जैसे आभूषण नगीनेदार सुंदरता के पर्याय रहे हैं। चम्पा कली की बहार और सीने पर पड़्या हुआ जंजीरा चोंकी वाला हार उस समय के सामाजिक रसूख और वैभव को दर्शाता था। मटर माला और गुल्बन्द जैसे आभूषण मखमल के कपड़े पर सोने की टिकियों को जड़कर तैयार किए जाते थे, जो गले से सटे रहकर सौंदर्य को दोगुना कर देते थे।

हाथों और बांहों के श्रृंगार में हरियाणा का कोई सानी नहीं है। यहां बांह के ऊपरी हिस्से पर पहने जाने वाले बाजूबन्द, सितोल और बाजू चौंक जैसे भारी आभूषणों का चलन रहा है। टाड़, जो चांदी का एक अत्यधिक भारी और ठोस कड़ा होता था, महिला के धैर्य और सामर्थ्य का भी प्रतीक था। कलाई पर सजे गजरे, पोंहची, परीबन्द और चूड़ियों का रंग निराला ही होता था। कांगनी और तिरैया जैसे आभूषण हाथों की उंगलियों तक एक प्रवाह बनाते थे। विशेष रूप से आरसी, जो अंगूठे में पहनी जाने वाली एक अंगूठी होती थी और जिसमें एक छोटा दर्पण जड़ा होता था, घूंघट प्रथा के उस दौर में महिला के लिए अपना मुख और पीछे का दृश्य देखने का एक चतुर और सुंदर माध्यम थी। हथफूल की लड़ियां जब हथेली के पीछे सजती थीं, तो वह किसी शिल्पकला के नमूने जैसा प्रतीत होता था। कमर का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण तगड़ी है, जिसे करधनी भी कहा जाता है। चांदी की बनी यह भारी तगड़ी जब घाघरे के ऊपर बांधी जाती थी, तो वह शरीर के संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ कमर की सुंदरता को भी उभारती थी। तगड़ी के साथ लटकता तालियों का गुच्छा और चांदी का बाजणा नाड़ा चलते समय एक विशेष धमक पैदा करता था। पैरों के आभूषणों में तो जैसे पूरा लोक-संगीत ही सिमट आता था। चांदी की भारी झांझर, नेवरी और रमझोल की झंकार जब गलियों में गूंजती थी, तो ऐसा लगता था मानो सावन की फुहारें बरस रही हों। पैरों की उंगलियों में सुशोभित बिछुए और चुटी सुहाग का अटूट हिस्सा माने जाते थे।

आधुनिक युग में समय की गति के साथ पहनावे और आभूषणों की पसंद में बड़ा परिवर्तन आया है। मशीनी युग के हल्के आभूषणों ने इन भारी और ठोस हस्तनिर्मित कलाकृतियों की जगह ले ली है। यह समझना अनिवार्य है कि ये आभूषण केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक पहचान की जड़ें हैं। ये हमें बताते हैं कि हमारे पूर्वज कला और सौंदर्य के कितने गहरे पारखी थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी इस अमूल्य विरासत का संरक्षण करें।

सिनेमा बिजनेस नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी : वारिस

कलाकार **डॉ. तबस्सुम जहां**

वारिस इब्न फ़ारूक़ मेवात में जन्मे एक फ़िल्म निर्देशक हैं। इनका परिवार तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखता है और जिस वातावरण से वे आते हैं, वहां फ़िल्मी दुनिया में जाना सकारात्मक नहीं माना जाता। वारिस का बचपन से ही सिनेमा के प्रति लगाव था।

उन्होंने अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर डीवीडी के ज़माने से ही हॉलीवुड की फ़िल्में देखना शुरू किया।

मदरसे में पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन सिनेमा की ओर आकर्षित हुआ, लेकिन परिवार की उम्मीदों और डर ने उन्हें इससे दूर रखा। उन्होंने लॉ की पढ़ाई की, लेकिन अंदर से सिनेमा की चाह खत्म नहीं हुई। एक दोस्त के ज़रिये उन्हें एक अवसर मिला और उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए सुपवा में एडमिशन लिया और फ़िल्म निर्माण इंडस्ट्री में कदम रखा। धीरे-धीरे उनके परिवार को उनकी गतिविधियों का पता चला, जिससे उनका परिवार बेहद नाराज़ हो गया। वारिस ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। उन्होंने अपनी यात्रा को एक साहसिक कदम के रूप में देखा, जिसमें उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। शुरुआत में उन्हें डायरेक्शन और एडिटिंग का ज्ञान नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने वहां साउंड और सिनेमैटोग्राफी के बारे में सीखा। उन्होंने सुपवा में शॉर्ट फ़िल्म बनाई, जो कुछ

फेस्टिवल्स में पहचानी गई, जिसमें इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित एक फ़िल्म भी शामिल थी। इस प्रक्रिया में उनके परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था। इसके बाद उन्होंने अन्य फ़िल्मों जैसे 'क़रीन' और 'ज़रक' का निर्माण किया। कॉलेज में उन्हें दो डिग्री फ़िल्म बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वारिस वर्तमान हरियाणवी सिनेमा पर चर्चा करते हुए बताते हैं कि यह सिनेमा अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाए इसे समझने की ज़रूरत है। अब धीरे-धीरे फ़िल्मों में सुधार आ रहा है और "दादा लखमी" जैसी फ़िल्में बेहतर तरीके से बन रही हैं। फिर भी हरियाणा में कम बजट और कलाकारों के शोषण की समस्या है, जिससे उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। इसके बावजूद हरियाणा में काफ़ी प्रतिभा है और भविष्य में सिनेमा के बेहतर होने की उम्मीद है। वारिस ने हरियाणा स्टेज के साथ तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम किया है—वेब सीरीज़ "मेवात" (लेखक-निर्देशक), फीचर फ़िल्म "अंडा गैंग" (निर्देशक) और डॉक्यूमेंट्री "ऑपरेशन मेवात" (एसोसिएट डायरेक्टर)। उन्होंने यशपाल शर्मा के साथ इंडिपेंडेंट फ़िल्म "रावण" भी बनाई है, जो जल्द ही एक अच्छे प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा वे डी.डब्ल्यू. न्यूज़ और अल जज़ीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज़ बना चुके हैं। उन्हें "मेवात" के लिए बेस्ट डायरेक्टर और "मिराज" व "वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप" जैसी शॉर्ट फ़िल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। सरकार हरियाणा में जो फ़िल्म पॉलिसी लेकर आई है, उस संदर्भ में वारिस बताते हैं कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्ट्रगलिंग फ़िल्ममेकर्स के लिए इसमें डायरेक्ट एक्सेस की कमी और नेटवर्क पर निर्भरता साफ़ दिखाई देती है।

> **वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था।**

इसका लंबा और औपचारिक प्रोसेस समय और संसाधन दोनों की मांग करता है, जिससे काम की गति धीमी हो जाती है। इस पर निर्भर रहने के बजाय प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना ज़्यादा व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

इनका मानना है कि आजकल रियलिटी और सामाजिक मुद्दों पर अधिक फ़िल्में बन रही हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में बनाते समय बायस के कारण संतुलन खो जाता है और वे प्रोपेगेंडा जैसी लगने लगती हैं, जबकि सिनेमा में ज़िम्मेदारी और बैलेंस बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया, "और सच कहूँ तो मैं खुद भी अभी तक वैसी फ़िल्म नहीं बना पाया हूं, जिस पर गर्व कर सकूं।" उनके शब्दों में- 'दादा लखमी' जैसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि संस्कृति और विरासत को ईमानदारी से सामने लाकर इंडस्ट्री को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं।' नए लोगों के बारे में वारिस का कहना है कि सिनेमा सिर्फ़ बिज़नेस नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, इसलिए जो भी बनाओ, उसे पूरी ईमानदारी और समझदारी के साथ बनाओ।

खबर संक्षेप

लोगों को मिलेगी बिजली समस्या से निजात

सिरसा। शहर के वार्ड नंबर 17 की गली बड़ी मस्जिद वाली में नया ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य बिजली निगम ने शुरू कर दिया है। अब वार्ड के लोगों को बिजली की समस्या से निजात मिलेगी। वार्ड पार्षद ने बताया कि बड़ी मस्जिद वाली गली में लंबे समय से बिजली सप्लाई को लेकर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गली में तीन अलग-अलग स्थानों से बिजली सप्लाई आने के कारण बिजली कटौती के समय लोगों को यह समझना मुश्किल हो जाता था कि गली किस ट्रांसफार्मर से जुड़ी हुई है।

हेरोइन मामले का मुख्य आरोपी गुरजीत काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ जारी जीरो टॉलरेंस मुहिम के तहत थाना भूना पुलिस ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में नशे की सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी गुरजीत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गुरजीत, भूना के वार्ड नंबर 5, नजदीक मिल्क प्लांट का रहने वाला है, जो इलाके में नशे की खेप पहुंचाने का मुख्य काम करता था। थाना भूना प्रभारी उप-निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि यह कार्रवाई मार्च 2026 में दर्ज हुए एक मामले की निरंतरता में की गई है।

दहेज उत्पीड़न का आरोपी पति गिरफ्तार

फतेहाबाद। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने और घरेलू हिंसा के मामलों में कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने एक विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और उसके साथ मारपीट करने के आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि प्रकाश निवासी धर्मपुर, जिला कैथल के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि एक विवाहिता ने पुलिस को दी शिकायत में अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे।

बाल संस्कार शिविर लगाएगी भाविप

फतेहाबाद। भारत विकास परिषद राघव शाखा की बैठक शहर के एक निजी होटल में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष अमित रुखाया ने की। बैठक में राघव शाखा के आगामी सामाजिक एवं सेवा कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि मई माह के अंतिम सप्ताह में बच्चों के लिए बाल संस्कार शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें नैतिक शिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जुड़ी गतिविधियां करवाई जाएंगी। वहीं जून माह में बढ़ती गर्मी को देखते हुए शहर के बस स्टैंड पर राहगीरों एवं आमजन के लिए अस्थाई प्याऊ व्यवस्था शुरू की जाएगी।

दुर्गा मंदिर परिसर में कार्यक्रम आज

फतेहाबाद। भारत की सनातन संस्कृति, आस्था, स्वाभिमान एवं गौरवशाली इतिहास को समर्पित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में आज 11 मई को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जीटी रोड स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे आरंभ होगा, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा उपस्थित रहेंगे। सीटीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में रतिया के विधायक जरनैल सिंह तथा पूर्व विधायक दुड़ाराम की उपस्थिति भी रहेगी।

अब सितंबर में होगा सिख सम्मेलनः लखविंद्र

सिरसा। सिख संगत की अपील पर खरीफ फसलों की बिजाई के चलते सिरसा में आगामी 24 मई को आयोजित होने वाला सिख सम्मेलन अब 13 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। हरियाणा सिख एकता दल के सदस्य लखविंदर सिंह ने बताया कि हरियाणा सिख एकता दल, अकाल पंथक मोर्चा, श्री गुरुग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी हरियाणा तथा संगत के सहयोग से यह विशाल सिख सम्मेलन नई अनाज मंडी, सिरसा में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में हरियाणा सिख एकता दल, अकाल पंथक मोर्चा एवं श्री गुरुग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी हरियाणा की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बीती 27 अप्रैल को भी असमाजिक तत्वों की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़

रतिया में बाबा साहेब की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़, एससी समाज में भारी रोष

रतिया। घटना के विरोध में ज्ञापन देते हुए सदस्य। रतिया में बाबा साहेब की प्रतिमा से उतरा चश्मा। फोटो : हरिभूमि

शरारती तत्वों की इस हरकत की कड़े शब्दों में निंदा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

शहर के गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्थित पार्क में स्थापित संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के साथ शरारती तत्वों द्वारा छेड़छाड़ करने का गंभीर मामला सामने आया है। शनिवार रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने न केवल प्रतिमा पर लगा चश्मा तोड़कर नीचे फेंक दिया, बल्कि वहां लगा पोस्टर भी फाड़ डाला। घटना की सूचना मिलते ही रविवार सुबह अनुसूचित जाति समाज के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हुए और इस हरकत की कड़े शब्दों में निंदा की। अंबेडकर सभा रतिया के अध्यक्ष प्रेम खोखर ने घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि बाबा साहेब की प्रतिमा को निशाना बनाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले बीते माह 27 अप्रैल को भी शरारती तत्वों ने प्रतिमा का चश्मा उतारकर फेंक दिया था। उस समय डॉ. अंबेडकर का जन्मोत्सव कार्यक्रम होने के कारण समाज ने शांति बनाए रखने के उद्देश्य से मामले को अधिक तूल नहीं दिया था, लेकिन बार-बार हो रही ऐसी अपमानजनक हरकतों ने अब धैर्य का बांध तोड़ दिया है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि शरारती तत्वों ने केवल प्रतिमा को ही नुकसान नहीं पहुंचाया, बल्कि मूर्ति स्थल के आसपास गंदगी फैलाकर माहौल खराब करने की भी कोशिश की है। पार्क में लगे पोस्टर और बैनर फाड़ दिए गए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि यह किसी की सोची-समझी साजिश है ताकि सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ा जा सके।

प्रशासन को अल्टीमेटम और आगामी रणनीति बनीं

घटना के विरोध में समाज के प्रतिनिधियों ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। प्रेम खोखर ने स्पष्ट किया कि इस बार समाज चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा, संविधान निर्माता का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम प्रशासन को औपचारिक शिकायत सौंप रहे हैं और मांग करते हैं कि सीसीटीवी फुटेज खंगालकर दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। समाज के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस और प्रशासन ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ जल्द और सख्त कार्रवाई नहीं की, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करने को मजबूर होंगे। फिलहाल, मौके पर तनावपूर्ण लेकिन शांतिपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुरानी जनता धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी।

जनता धर्मशाला समिति की नई कमेटी गठित

कमेटी करेगी समाज का उत्थान

- लंबे समय से सेवा दे रहे पदाधिकारियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

पुरानी जनता धर्मशाला में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में जनता धर्मशाला सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान समिति के प्रधान डॉ. दीनानाथ शर्मा और करीब 30 वर्षों से मैनेजर के रूप में सेवाएं दे रहे रमेश कंबोज को सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका प्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने दोनों की सेवाओं की सराहना की। समारोह के दौरान नई कमेटी की घोषणा करते हुए प्रमोद धारणिया को प्रधान नियुक्त किया गया। वहीं अरुण सेठी और पूर्व सरपंच राजवीर दहिया को उपप्रधान बनाया गया। इसके अलावा राजकुमार सिंगला को सचिव तथा मंगल सिंह को कैशियर की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जनता धर्मशाला लंबे समय से सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का केंद्र रही है। संस्था से जुड़े लोगों ने समाज सेवा के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई कमेटी भी इसी भावना के साथ कार्य करते हुए धर्मशाला के विकास और समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाएगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बलविंदर सिंह कैरो, महावीर बागड़ी, सरपंच सुरेश कंबोज, चेयरमैन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा, नंदलाल कंबोज, नगर पालिका वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी, बलजीत सोनी, बजरंग शर्मा, हंसराज गोयल, हंसराज कंबोज, सोमनाथ इंदौरा, मोहनलाल बागड़ी, फौजी राजू कंबोज, सोहनलाल वाल्मीकि और रोहतास गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

निजी विद्यालय संचालकों ने की जिला शिक्षाधिकारी से शिष्टाचार भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। निजी विद्यालय संचालक जिला शिक्षाधिकारी से भेंट करते।

निजी विद्यालयों के संचालकों ने नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला से शिष्टाचार भेंट।विद्यालय संचालकों ने जिला शिक्षा अधिकारी को बधाई देते हुए विश्वास दिलाया कि जिले के निजी विद्यालय शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने तथा विभागीय कार्यों में प्रशासन को हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी एवं निजी विद्यालयों के सामूहिक प्रयासों से विद्यार्थियों का भविष्य और अधिक उज्जवल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवनियुक्त डीईओ सुभाष फुटेला के नेतृत्व में जिले में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा और गति मिलेगी। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला ने सभी विद्यालय संचालकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है और इसे मजबूत बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एवं निजी विद्यालय शिक्षा के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और दोनों के सहयोग से ही विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है।

स्कूल मैनेजर्स एसोसिएशन सिरसा की नई कार्यकारिणी गठित

सिरसा। जिला स्कूल मैनेजर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। संगठन को मजबूती प्रदान करने और शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के विजन के साथ नई टीम की घोषणा की गई है। नई कार्यकारिणी में गुरतेज विर्क को एसोसिएशन का नया अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही अन्य महत्वपूर्ण पदों में उपाध्यक्ष पूजा अरोड़ा, महासचिव साहिल गोगिया, संयोजक अनिल सावंत, सह-संयोजक सुचेता एवं देवेंद्र अग्रवाल, कैशियर दीपक वधवा, प्रेस एवं आपदा प्रभारी दिनेश यादव को चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष गुरतेज विर्क और उनकी टीम ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए आगे आए डेरा श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। पक्षियों के लिए सकोरे वितरित करते डेरा श्रद्धालु।

गर्मियों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए डेरा सच्चा सौदा ब्लॉक फतेहाबाद की साध-संगत द्वारा पक्षियों एवं पशुओं के लिए सराहनीय पहल की गई। मानवता भलाई अभियान के तहत साध-संगत ने लघु सचिवालय परिसर तथा विभिन्न सार्वजनिक पार्कों में पक्षियों के लिए पानी से भरे स्कोरे लगाए, ताकि भीषण गर्मी में उन्हें पानी की कमी का सामना न करना पड़े। इस दौरान साध-संगत के सेवादारों ने सचिवालय के कर्मचारियों को भी स्कोरे वितरित किए और उन्हें अपने आसपास पक्षियों के लिए पानी रखने के लिए प्रेरित किया। साध-संगत के सदस्यों ने बताया कि गर्मी के पूरे मौसम में यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा समय-समय पर स्कोरों में पानी भरने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी संगत द्वारा निभाई जाएगी। साध-संगत द्वारा किए जा रहे इस मानवता भलाई कार्य की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है।

मां का प्रेम संतान के प्रति होता है अटूटः पूजा

सिरसा। निकटवर्ती गांव नेजाडेला कलां स्थित प्ले स्कूल में मदर्स-डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता पूजा वर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन प्रियंका और सुषमा के साथ समस्त स्टाफ ने किया। वहीं बच्चों के साथ कार्यक्रम में शिरकत कर माताएं भी उत्साहित दिखीं। छोटे-छोटे बच्चों ने कार्यक्रम में मां के जीवन पर आधारित गीतों पर डांस पेश किया जिसकी उपस्थितजनों ने सराहना की। वहीं माताओं ने भी अपनी प्रस्तुति से बच्चों के प्रति अपना प्यार प्रदर्शित किया। इस मौके पर पूजा वर्मा ने कहा कि एक मां का आंचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। मां का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि वो अपने बच्चों की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है।

शिविर में 155 मरीजों की हुई जांच

सिरसा। बाबा बिहारी नेत्रालय द्वारा आंखों की जांच का निशुल्क कैंप जनता भवन रोड स्थित बाबा बिहारी नेत्रालय में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के सचिव शेखर महिपाल ने बताया कि सुबह 10 बजे शुरू हुए कैंप में 155 लोगों की आंखों की जांच प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरू गिजवानी द्वारा की गई जिसमें से 12 लोगों को ऑप्रेशन के लिए चयनित किया गया, जिनके ऑप्रेशन अस्पताल में ही निःशुल्क किए जाएंगे। जरूरत के अनुसार मरीजों को दवाएं भी निशुल्क दी गई। इस मौके पर डॉ. नीरू गिजवानी ने कहा कि आंखों की समय-समय पर देखभाल जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी गर्मी का मौसम है, जिसमें गर्म हवाओं के कारण आंखों में कई प्रकार की दिक्कतें हो सकती हैं।

बिजाई से पहले मिट्टी की जांच करवाएं किसानः डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। शिविर में किसानों को फसलों के बारे में जानकारी देते हुए विशेषज्ञ।

क्षेत्र में ग्वार की अधिक बिजाई करके तथा उत्पादकता बढ़ाने के मकसद से जिले के गांव घुक्कांवाली में ग्वार फसल पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें किसानों को सही समय पर बिजाई, बीजोपचार, संतुलित खाद का प्रयोग व समय से पहले बिजाई न करने की जानकारी दी गई। शिविर में ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. यादव ने किसानों को अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाकर ही बिजाई करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी जांच से यह पता चलता है कि जमीन में किस पोषक तत्व की कमी है। इसके अलावा उन्होंने किसानों को अपने खेत में गोबर की तैयार खाद डालने का विशेष जोर दिया। इससे मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। मिट्टी जांच के आधार पर संतुलित खाद का प्रयोग करें। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. यादव ने किसानों को जडग़लन रोग बारे कहा कि यह रोग ग्वार फसल में 40 से 45 प्रतिशत तक आ जाता है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए बीज उपचार 3 ग्राम प्रति किलो बीज दर से सुखा उपचारित करके ही बिजाई करें।

भाविप ने किया शूरवीर महाराणा प्रताप को याद

सिरसा। भारत विकास परिषद की शहीद भगत सिंह शाखा द्वारा महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप चौक पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष रामप्रकाश शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप वीरता, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, संघर्ष और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा एवं समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर शाखा के सदस्य अविनाशकांत शर्मा, विनोद कुमार जग्गा, अमित शर्मा, रामचंद्र चावला, विकास मेहता, श्याम लाल सचदेवा, डॉ. गौरव खुराना, तरुण गर्ग व रूपेश जिंदल मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता को लेकर ओढ़ा में बैठक

ओढां। समाज में शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ओढ़ा में आज सामाजिक समरसता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रत्येक समाज के लोगों ने भाग लिया और चिंतन किया कि हमारे समाज में क्या-क्या कमियां आई है जिसकारण हमारा भाईचारा और प्रेम प्यार कम होता जा रहा है। इसमें उपस्थित सभी लोगों की राय ली गई कि इसका कारण क्या है। जिसमें बताया गया कि नशा, छोटे परिवार, संस्कारों में कमी, सोशल मीडिया, समाज सेवा, धर्म परिवर्तन आदि इसके प्रमुख कारण है। इस बैठक मे सभी के विचार जानने के बाद एडवोकेट भरत कुमार ने कहा कि इन सब बुराईयों को दूर करने की शुरुआत सबको अपने घर से करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोगों को जोडक़र हम सब एक हैं की भावना मजबूत करनी है, जो राष्ट्र की ताकत है। समरस समाज में मिलकर काम करने से देश की सामाजिक और आर्थिक तरक्की सुनिश्चित होती है। समाजसेवी इन्द्रजीत कुमार ने कहा कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सौहार्दपूर्ण व्यवहार से समाज में रहने वाले व्यक्तियों का भावनात्मक और सामाजिक विकास होता है।

श्री हजूर साहिब नांदेड़ की निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण का अंतिम दिन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए 15 मई को सिरसा से विशेष ट्रेन रवाना होगी। योजना अनुसार वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर आज 10 मई तक पंजीकरण कर सकते हैं। पात्र व्यक्ति नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे इस निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र, परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), यात्रा के लिए स्वस्थ होने संबंधी प्रमाण तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति हर तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है। आवेदन करने के उपरांत आवेदक को वाणिज्य भवन की चौथी मंजिल पर स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय सिरसा में अवश्य देनी होगी ताकि पात्र व्यक्तियों की सूचना समय पर आगे भेजी जा सके।

साइबर अपराधी आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम बनाते हैं शिकार

1 रुपये में सब्सक्रिप्शन के नाम पर ठगी से रहे सावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एसपी निकिता खट्टर।

जिला पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने मोबाइल ऐप्स पर मिलने वाले 3 दिन फ्री ट्रायल या मात्र एक रुपये में सब्सक्रिप्शन के झांसे में आकर हो रही साइबर ठगी के प्रति जिला वासियों को आगाह किया है। उन्होंने एक विशेष जनहित साइबर एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि साइबर अपराधी आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि इस प्रकार के स्कैम में यूजर को सीमित अवधि के लिए मुफ्त या बहुत कम कीमत पर सेवाएं देने का लालच दिया जाता है। जैसे ही यूजर ऑफर स्वीकार करने के लिए आई एग्री या सब्सक्राइब पर क्लिक करता है, उसके बैंक खाते, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या यूपीआई पर ऑटो-पे मोड सक्रिय हो जाता है। ट्रायल अवधि समाप्त होते ही बिना किसी स्पष्ट सूचना के 499, 899 या इससे अधिक की भारी राशि हर महीने या सालाना आधार पर खाते से कटने लगती है। एसपी ने बताया कि जांच में सामने आया है कि कई मामलों में यूजर ऐप को डिलीट कर देते हैं, लेकिन उनके खाते से पैसे कटना बंद नहीं होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ऐप डिलीट करने से सब्सक्रिप्शन खत्म नहीं होता, इसे आधिकारिक रूप से कैंसिल करना पड़ता है। पीड़ितों को ठगी का पता तब चलता है जब बैंक से पैसे कटने के मैसेज आने लगते हैं।

किसी भी एप को इंस्टॉल करने से पहले करलें पूरी जांच

साइबर ठगी से सुरक्षित रहने के लिए पुलिस ने कुछ महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्देश साझा किए हैं। किसी भी ऐप को इंस्टॉल करने से पहले उसकी प्रामाणिकता, रेटिंग और रिव्यू की अच्छे से जांच करें। किसी भी लुभावने ऑफर को स्वीकार करने से पहले उसके नियम व शर्तें जरूर पढ़ें। अपने बैंक खाते या कार्ड में सक्रिय ऑटो-पे या स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन की समय-समय पर जांच करते रहें। अनजान और गैर-जरूरी ऐप्स को अपनी बैंकिंग जानकारी या कार्ड की अनुमति न दें। यदि कोई ऐप इस्तेमाल नहीं करना है, तो उसे केवल डिलीट न करें बल्कि पहले उसका सब्सक्रिप्शन आधिकारिक रूप से रद्द करें। पुलिस अधीक्षक ने अपील की है कि यदि आपके खाते से अनधिकृत राशि कटती है, तो तुरंत संबंधित बैंक से संपर्क कर ऑटो-पे बंद करवाएं।

खबर संक्षेप

आर्यसमाज मंदिर, सिरसा में हुआ मासिक सत्संग

सिरसा। आर्यस माज मंदिर में रविवार को मासिक सत्संग एवं महायज्ञ हुआ जिसमें मुख्य वक्ता आचार्य सहदेव सिंह बेधड़क से शामिल रहे। उन्होंने देशभक्ति गीतों की मार्मिक प्रस्तुति देते हुए कहा कि सभी नौजवानों को आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों ये लड़ाई लडऩी पड़ेगी। देश के गद्दारों के खिलाफ, भ्रष्टाचारी नेताओं के खिलाफ, अंधविश्वास और अज्ञानता के खिलाफ ये लड़ाई लडऩी ही पड़ेगी। उन्होंने बताया कि मात्र एक आर्यसमाज ही है, जिसने देश की आजादी में 83 प्रतिशत योगदान दिया। इसी क्रम में उन्होंने देश हित में अपने प्रवचनों से समस्त जनता को मंत्रमुग्ध कर दिया। जगदीश सिंवर ने कहा कि आर्यसमाज हमेशा देश को बलिदान और स्वतंत्रता की प्रेरणा देता रहा है। कार्यक्रम में संदीप नेहरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंत्री ओमप्रकाश खर्रा, जगदीश थोरी, सहीराम सहारण, संदीप नेहरा, हरि सिंह सहारण, हवा सिंह, शमशेर सिंह आदि रहे।

विद्यार्थियों ने किया गुरुद्वारा मुबारक बठिंडा का भ्रमण

ओढां। दशमेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल गुरुद्वारा साहिब चोरमार ने विद्यार्थियों को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण करवाया गयाा। इस शैक्षणिक टूर को लेकर संत बाबा गुरपाल सिंह ने गुरुद्वारा साहिब चोरमार में अरदास की और छात्रों को सुरक्षित यात्रा का आशीर्वाद देकर रवाना किया। शैक्षणिक टूर के दौरान विद्यार्थियों ने बठिंडा में स्थित ऐतिहासिक किले गुरुद्वारा श्री किला मुबारक का दौरा किया, जहां पर उन्होंने ऐतिहासिक जानकारी हासिल की। इस अवसर पर गुरमीत सिंह खालसा ने विद्यार्थियों को बताया कि बठिंडा का यह किला भारत के सबसे पुराने और सबसे ऊंचे किलों में से एक है। लगभग 2000 वर्ष पुराना यह किला राजा दूब कहलाता है और माना जाता है कि इसे पहली सदी में सम्राट कनिष्क ने बनवाया था। यह किला रजिया सुल्तान की कैद (1240) और गुरु गोविंद सिंह की यात्रा (1705) जैसी ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह है। इसके बाद छात्रों ने मिनी जू कम डियर सफारी बीड़ तालाब का दौरा किया और अलग-अलग जंगली जीव और कुदरत की झलक देखी।

अपरा एकादशी 13 मई को, ज्येष्ठ माह में बन रहा चार एकादशी का विशेष संयोग

भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना से सुख-समृद्धि और पुण्य फल की मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सनातन धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना गया है। श्रद्धालु इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगल कामना करते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी व्रत रखने और विधि-विधान से पूजा करने से पापों का नाश होता है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अपरा एकादशी इस वर्ष 13 मई को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य राजेश पंडित ने बताया कि अपरा एकादशी तिथि का आरंभ 12 मई सुबह 9 बजकर 46 मिनट पर होगा और इसका समापन 13 मई सुबह 8 बजकर 53 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर व्रत 13 मई को रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार अपरा एकादशी पर शुभ योग का विशेष संयोग बन रहा है। पूरे दिन उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र और प्रीति योग रहेगा, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जा रहा है। श्रद्धालु इस दिन उपवास रखकर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करेंगे तथा मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होगी। एकादशी पर दान-पुण्य और सात्विक भोजन का भी विशेष महत्व बताया गया है।

मलमास के कारण 59 दिन का रहेगा ज्येष्ठ माह

इस वर्ष अधिकमास यानी मलमास के कारण ज्येष्ठ माह की अवधि बढ़कर 59 दिनों की हो गई है। ज्येष्ठ मास की शुरुआत 2 मई से हुई है और शुद्ध ज्येष्ठ मास का कृष्ण पक्ष 16 मई तक रहेगा। इसके बाद 17 मई से अधिकमास आरंभ होगा, जो 15 जून तक चलेगा। धार्मिक गणना के अनुसार 16 जून से पुनः शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष शुरू होगा। मलमास के प्रभाव से इस बार ज्येष्ठ माह में चार एकादशी व्रत पड़ रहे हैं। इनमें 13 मई को अपरा एकादशी, 27 मई को पद्मिनी एकादशी, 11 जून को परम एकादशी है।

इस वर्ष एकादशी व्रत की तिथियां

27 मई : पद्मिनी एकादशी	22 सितंबर : पद्मा एकादशी
11 जून : परम एकादशी	6 अक्टूबर : इंदिरा एकादशी
25 जून : निर्जला एकादशी	22 अक्टूबर : पापांकुशा एकादशी
10 जुलाई : योगिनी एकादशी	5 नवंबर : रमा एकादशी
25 जुलाई : देवशयनी एकादशी	20 नवंबर : देवोत्थान एकादशी
9 अगस्त : कामिका एकादशी	4 दिसंबर : उत्पन्ना एकादशी
23 अगस्त : श्रावण पुत्रदा एकादशी	20 दिसंबर : मोक्षदा एकादशी
7 सितंबर : अजा एकादशी	

डिंग मंडी में चोरी की वारदातों पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जताया रोष

- बाजार बंद कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डिंग

डिंग। पुरानी अनाज मंडी में बैठक करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

डिंग की पुरानी अनाज मंडी क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर रविवार को ग्रामीणों और दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा। चोरी की बढ़ती वारदातों से परेशान ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित कर पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिकायत मिलने पर पुलिस की घटनाओं का खुलासा करने में गंभीरता नहीं दिखती। इससे चोरों के हौसले लगातार बुलंद हो रहे हैं और क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय दुकानदार भी शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर विरोध स्वरूप बाजार बंद करने का निर्णय लिया और अपनी दुकानों के शटर बंद कर धरने पर बैठ गए। इस दौरान ग्रामीणों और व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए रोष व्यक्त किया । धरने और बाजार बंद की सूचना मिलते ही डीएसपी राजेश कुमार व डिंग थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

नप सफाई कर्मचारियों की लगातार 10 दिन से हड़ताल जारी

हड़ताली कर्मचारी बोले : सरकार मांगें माने तो 48 घंटे में चकाचक कर देंगे शहर

- ठेका प्रथा को खत्म करने व कर्मियों को विभाग के रोल पर नियमित करने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। नगरपरिषद कार्यालय में धरना देकर बैठे कर्मचारी तथा शहर की सडक़ों पर फैला कूड़ा। फोटो : हरिभूमि

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर परिषद कर्मचारियों की बेमियादी हड़ताल रविवार को 10वें दिन में प्रवेश कर गई है। शहर की सफाई व्यवस्था चरमराने और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगने के बावजूद सरकार द्वारा बातचीत की पहल न करने से कर्मचारियों में भारी रोष है। रविवार को हड़ताल की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान नरेश राणा ने की, जबकि मंच संचालन सचिव ओम प्रकाश लोट द्वारा किया गया।

हड़ताल पर डटे सफाई कर्मचारियों, ऑफिस स्टाफ और दमकल कर्मियों ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार की हठधर्मिता के कारण उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कर्मचारियों ने शहरवासियों से असुविधा के लिए खेद जताते हुए कहा कि वे स्वयं नहीं चाहते कि शहर में गंदगी फैले या महामारी का खतरा पैदा हो, लेकिन सरकार उनकी जायज मांगों को अनसुना कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि यदि सरकार आज उनकी मांगें मान लेती है, तो वे महज 48 घंटे के भीतर पूरे शहर से कूड़ा उठाकर उसे पूरी तरह चकाचक कर देंगे।

कर्मचारी नेता नरेश राणा व ओमप्रकाश लोट ने ने समाज के प्रतिनिधियों और सरकार में मंत्री कृष्ण बेदी की चुप्पी पर भी गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने मांग की कि ठेका प्रथा को तुरंत प्रभाव से बंद किया जाए और सभी ठेका कर्मियों को विभाग के रोल पर लेकर नियमित किया जाए। इसके अलावा, 16 फरवरी को फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए फायर कर्मियों के परिवारों को न्याय और उचित आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। यूनियन ने शासन-प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि हड़ताल के दौरान जबरदस्ती सफाई करवाने या अन्य कार्य करवाने की कोशिश की गई, तो कर्मचारी चुप नहीं रहेंगे और आंदोलन को और अधिक उग्र कर दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आगामी दिनों में स्थिति बिगड़ती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। इस अवसर पर भारी संख्या में नगर परिषद और दमकल विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

हड़ताल से फतेहाबाद की सफाई व्यवस्था बेहाल

फतेहाबाद। नगर में सफाई कर्मचारियों की चल रही हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहर के विभिन्न इलाकों में जगह-जगह कूड़े-कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती गंदगी के कारण अब आसपास के क्षेत्रों में बदबू फैलनी शुरू हो गई है और स्थानीय निवासियों का घरों में रहना तक मुश्किल हो गया है। शहर की गलियों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में फैले कचरे पर आवारा पशु मुंह मारते दिखाई दे रहे हैं, जिससे गंदगी और अधिक बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि कई दिनों से कूड़ा नहीं उठाया गया, जिसके चलते हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो यह गंदगी किसी बड़ी बीमारी या महामारी का रूप ले सकती है। सूत्रों के अनुसार सफाई कर्मचारियों की हड़ताल आगे भी जारी रह सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में शहरवासियों की मुश्किलें और बढने की आशंका जताई जा रही है। वहीं लोगों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा इस गंभीर समस्या की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिसके कारण आमजन में रोष बढ़ता जा रहा है।

रोडवेज कर्मचारियों की समस्याओं पर महाप्रबंधक नहीं दे रहे ध्यानः चमनलाल

सिरसा। हरियाणा रोडवेज संयुक्त कर्मचारी संघ की बैठक रविवार को यूनियन कार्यालय में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला महासचिव चमनलाल स्वामी, डिपो प्रधान सतबीर सिंह कड़वासरा ने कहा कि हिसार डिपो के महाप्रबंधक की तानाशाही पर उतर आए हैं और कर्मचारियों की जायज मांगों को अनदेखा कर रहे हैं। इसके लिए हिसार डिपो की सभी यूनियनों ने 11 मई की गेट मीटिंग रखी गई है, जिसमें हिसार डिपो में 11 मई को बड़े आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ-साथ पूरे हरियाणा के कर्मचारियों का रात्रि भत्ता 2023 से बकाया पड़ा है और लगभग 6 से 10 माह का ओवर टाइम बकाया पड़ा है, जिसपर पर किसी भी महाप्रबंधक का ध्यान नहीं है। इसके अलावा भी कर्मशालाओं में कर्मचारियों की कमी के कारण गाडियों के कोई कार्य नहीं हो रहे। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हरियाणा के महाप्रबंधकों को मुख्यालय से एक पत्र भी राज्य के सांझा मोर्चा द्वारा जारी करवाया गया है कि सभी महाप्रबंधक सभी यूनियनों की बातें सुनकर उनका समाधान करे।

फायर कर्मचारियों की हड़ताल को अनेक कर्मचारी संगठनों ने दिया समर्थन

सिरसा। फायर कर्मचारियों की हड़ताल को रोडवेज कर्मचारी यूनियन, अध्यापक संघ, बिजली यूनियन ने समर्थन दिया है। रविवार को यूनियन सदस्य धरनास्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों की मांगों को जायज बताया। जिला प्रधान राजेश खिचड़ ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की मांगों के प्रति अनदेखी कर उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर कर रही है, जबकि कर्मचारियों की मंशा शांतिपूर्वक तरीके से काम करने की है। उन्होंने कहा कि सरकार की मनमानी नीतियों से कर्मचारी वर्ग में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि कोई भी कर्मचारी हड़ताल कर खुश नहीं है, लेकिन कर्मचारियों को मजबूरन अपने हक के लिए संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के सब्र का इम्तिहान न ले। इससे पहले भी अनेक आंदोलन हुए हैं। मौके पर बलवंत सहारण, सुखदेव सिंह, अध्यापक संघ से मास्टर बीरसिंह, विजय कुमार, विवेक कुमार शर्मा, रोहताश कुमार, महावीर शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

वेतन नहीं देने पर कर्मचारियों ने दी बैंक मुख्यालय पर धरने की चेतावनी

- पैक्स कर्मचारी महासंघ ने सरकार पर लगाया बेवजह परेशान करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पैक्स कर्मचारी महासंघ के जिला प्रधान जयपाल सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा लगातार पैक्स कर्मचारियों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का रवैया लगातार कर्मचारियों के खिलाफ बना हुआ है। उन्होंने कहा कि दी फतेहाबाद केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, फतेहाबाद द्वारा अप्रैल माह का वेतन बिना किसी कारण रोक दिया गया है, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि 11 मई तक कर्मचारियों का रुका हुआ वेतन जारी नहीं किया गया, तो 12 मई से पैक्स कर्मचारी दी फतेहाबाद केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, फतेहाबाद के मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे। इसके साथ ही कर्मचारियों द्वारा डे एंड कार्य भी बंद कर दिया जाएगा। महासंघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि आंदोलन के दौरान यदि किसी प्रकार की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी विभाग और सहकारी बैंक प्रशासन की होगी। बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लडऩे का संकल्प लिया तथा समय रहते वेतन जारी करने की मांग उठाई।

छात्र अनुषा और पारस ने उत्तीर्ण की सुपर-100 लेवल टू परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय स्टाफ, परिवार और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है
- पारस ने कड़ी मेहनत और एकाग्रता के साथ परीक्षा की तैयारी कर लेवल टू परीक्षा उत्तीर्ण की है

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चक्कां की कक्षा दसवीं की छात्रा अनुषा तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मम्मड़ खेड़ा के छात्र पारस ने सुपर-100 लेवल टू परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय स्टाफ, परिवार और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

चक्कां विद्यालय के प्राचार्य गुरनाम सिंह ने अनुषा को बधाई देते हुए बताया कि वह विद्यालय की पहली छात्रा है जिसने सुपर-100 लेवल टू परीक्षा उत्तीर्ण की है। अब वह हरियाणा सरकार की ओर से सुपर-100 संस्थान कुरुक्षेत्र में मेडिकल की निशुल्क तैयारी करेगी। अनुषा की इस सफलता पर सरपंच अमर सिंह छापोला, एसएमसी कमेटी प्रधान सुभाष, विद्यालय स्टाफ तथा गांव के गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वहीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मम्मड़ खेड़ा के प्राचार्य नीरज पाहुजा ने बताया कि पारस ने कड़ी मेहनत और एकाग्रता के साथ परीक्षा की तैयारी कर लेवल टू परीक्षा उत्तीर्ण की है। उसकी सफलता से विद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ है। इस अवसर पर सरपंच बलदेव बीरट, सनराइज एजुकेशनल ट्रस्ट प्रधान मुकेश बैनीवाल, एसएमसी कमेटी के सदस्यों, विद्यालय स्टाफ और ग्रामीणों ने पारस को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदेश में बढ़ता अपराध और नशा युवाओं के भविष्य के लिए बड़ा खतरा : सांसद सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- सबसे चिंताजनक बात यह है कि बेरोजगार युवाओं को अपराध के रास्ते पर धकेला जा रहा है
- प्रदेश की कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ता जा रहा है

सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में लगातार बढ़ रहे अपराध, नशे और युवाओं के अपराध की ओर बढ़ते रुझान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते हालात पर नियंत्रण नहीं किया गया तो प्रदेश की सामाजिक व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। कुमारी सैलजा ने जारी बयान में कहा कि कभी देश में विकास, भाईचारे और खुशहाली की पहचान रहा हरियाणा आज अपराध, रंगदारी, फिरौती, हत्या और गोलीबारी की घटनाओं से भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हो गया है। प्रदेश के गांवों से लेकर शहरों तक संगठित अपराधी गिरोह सक्रिय हैं और सबसे चिंताजनक बात यह है कि बेरोजगार युवाओं को अपराध के रास्ते पर धकेला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मामूली पैसों और झूठी चमक-दमक का लालच देकर युवाओं को अपराधी गिरोहों का औजार बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध का जाल फैलाया जा रहा है और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति ने हालात को और गंभीर बना दिया है। यह केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सरकार की नीतिगत असफलता का परिणाम है। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही है। बेरोजगारी और निराशा का फायदा उठाकर आपराधिक गिरोह युवाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं। सरकार को युवाओं को भडक़ाने और झूठे प्रचार में उलझाने के बजाय रोजगार, शिक्षा, खेल और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध करवाने चाहिए ताकि वे अपराध और नशे से दूर रह सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय हरियाणा विकास, निवेश, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल था, लेकिन आज प्रदेश अपराध के मामलों में लगातार बदनाम हो रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ता जा रहा है और आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

बैठक में बीएलओ एसोसिएशन ने एसआईआर कार्य में आ रही परेशानियों पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

एसआईआर कार्य के चलते बूथ लेवल अधिकारियों को आ रही परेशानियों के निदान को लेकर लघु सचिवालय स्थित ट्रैफिक पार्क में हरियाणा बीएलओ एसोसिएशन की एक बैठक हुई। हरियाणा बीएलओ एसोसिएशन के प्रधान गोविल सिसोदिया ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत एक कार्य यह भी है कि जो भी गृहिणी विवाहित होकर अपने ससुराल आई है चाहे वह किसी भी राज्य या प्रदेश के जिले से हो 2002 की मतदाता सूची में उनके माता-पिता की वोटर आईडी, बूथ नंबर, विधानसभा क्षेत्र व वोटर क्रमांक चुनाव आयोग द्वारा अपडेट किया जाना है, लेकिन आमजन को अभी तक इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। चुनाव आयोग एसआईआर बाबत मुनियादी करवाकर आमजन को जागरूक करें ताकि बीएलओ अपना कार्य तीव्र गति से कर सके। सिसोदिया ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा बी एल ओ सहायक नियुक्त करने की भी बात कही गई थी जो कि उस वार्ड से ताल्लुक रखता हो और हर मतदाता को जानता हो। लेकिन चुनाव आयोग द्वारा अभी तक भी सहायक नियुक्त नहीं किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

बैठक | पार्ट टाइम कर्मियों को पक्का करवाने के लिए संघर्ष का ऐलान

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के साथ वादाखिलाफी और सौतेला व्यवहार कर रही प्रदेश सरकार : विनोद कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के सदस्य।

हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नगरपालिका कार्यालय फतेहाबाद में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान विनोद कुमार भड़ोलांवाली ने की। बैठक में मुख्य रूप से रोहतक में आयोजित होने वाली कच्चे कर्मचारियों की राज्य स्तरीय कन्वेंशन की तैयारियों और कर्मचारियों की लंबित मांगों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान विनोद कुमार ने प्रदेश सरकार पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी कर रही है और मानी गई मांगों को लागू न करके वादाखिलाफी की जा रही है। सभी ने एकमत होकर संकल्प लिया कि यदि सरकार ने जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया तो वे निर्णायक आंदोलन की राह अपनाएंगे।

जनविरोधी नीतियों को वापस लेने की अपील

उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में पार्ट टाइम कर्मचारियों को पक्का करवाने के लिए यूनियन बड़े स्तर पर संघर्ष छेड़ेगी। यूनियन ने बैठक के माध्यम से सरकार और प्रशासन के समक्ष प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें सभी पार्ट टाइम कर्मचारियों को 2 वर्ष की सेवा पूरी होने पर पक्का करने, हर महीने की 7 तारीख से पहले वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने और वर्ष 2003 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों की सीनियरटी लिस्ट जारी करने की मांग शामिल है। इसके अलावा यूनियन ने सरकार से कर्मचारी, मजदूर, किसान और जनविरोधी नीतियों को तुरंत वापस लेने की भी अपील की। इस अवसर पर नगरपालिका कर्मचारियों ने भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मांगों का पूर्ण समर्थन किया। बैठक में सुखदेव सिंह, अरिजीत सिंह, रामपाल, दलबीर सिंह, बबली सिंह, चरणजीत सिंह और लखविंदर कौर सहित अन्य कर्मचारी नेता व सदस्य मुख्य रूप से मौजूद रहे।